Virat Vaibhav Edition Delhi
7.5.2017 Page 5
Height 17.86cm Width 21.31 cm

डिजिटली साक्षर बनाने पर रविशंकर प्रसाद का जोर

सरकारी सेवाएं डिजिटली उपलब्ध हों

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि केन्द्र और राज्य की सभी सरकारी सेंवाएं डिजिटली उपलब्ध होनी चाहिए और इसलिए सरकार भारत को डिजिटली सशक्त राष्ट्र में बदलने की दिशा में काम करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी डिजिटली साक्षर बनाने पर जोर दे रही है। प्रसाद ने राजधानी में द्वारका में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआई ईएलआईटी) के अत्याधुनिक ग्रीन बिल्डिंग का उद्घाटन करने के मौके पर इस संस्थान से देश के हर राज्य में एक एनआईईएलआईटी शुरू करने की अपील करते हुये कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर ने लोगों को डिजिटली साक्षर बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है और सरकार का लक्ष्य छह करोड़ लोगों को डिजिटली साक्षर बनाने का है। उन्होंने एनआई ईएलआईटी के साथ ही इससे जुड़े सभी हितधारकों से लोगों को डिजिटली साक्षर बनाने के कार्यक्रम को मिशन मोड में शुरू करने की अपील की और कहा कि ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसकी जिंदगी में आज सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने साइबर सुरक्षा का उल्लेख करते हुये कहा कि डिजिटल साक्षरता बढ़ने के साथ ही साइबर सुरक्षा के लिए भी दक्ष लोगों की मांग बढ़ जाती है और इस संस्थान को इस चुनौती से निपटने की दिशा में भी काम करना चाहिये। उन्होंने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम के तहत भी इस संस्थान को काम करना चाहिये और उसे हर राज्य में अपना एक संस्थान शुरू करना चाहिये। इस मौके पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री पी.पी. चौधरी, स्थानीय सांसद प्रवेश साहिब सिंह और मंत्रालय के संयुक्त सचिव संजीव मित्तल भी उपस्थित थे।

ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसकी जिंदगी में आज सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं हो रहा है।

हर स्टेट में एनआईईएलआईटी का एक सेंटर खोलना चाहिए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को यहां कहा कि भारत सरकार के कौशल विकास संबंधित राष्ट्रीय नीति को देखते हुए एनआईईएलआईटी को प्रत्येक राज्य में कम से कम एक केंद्र खोलना चाहिए। प्रसाद ने शनिवार को द्वारका में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईई एलआईटी) की नई ग्रीन बिल्डिंग (एनआईईएलआईटी भवन) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा, मानव जीवन का कोई ऐसा पहलू नहीं है जो सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़ी प्रगति से अछूता है। एनआईआईएलआईटी ने इस क्षेत्र में नेतृत्व का एक उदाहरण बनकर उभरा है जिसने कौशल विकास और क्षमता निर्माण पहल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाया है। एनआईईएलआईटी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित गतिविधियों को पूरा करने के लिए बनी एक स्वायत्त सोसाइटी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्षरता के अलावा बुनियादी साइबर सुरक्षा से जुड़ी योग्यता की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है। एनआईईएलआईटी इस चुनौती का हल खोजने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हम भारत को एक डिजिटली रूप से सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य 6 करोड़ नागरिकों को डिजिटल साक्षरता पर प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिसे एनआईईएलआईटी द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

एनआईआईएलआईटी इस क्षेत्र में नेतृत्व का एक उदाहरण बनकर उभरा है, जिसने कौशल विकास और क्षमता निर्माण पहल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाया है।